अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2020) दिनांक : 17.12.2020

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–80

प्र. 1 किन्हीं सत्तरह प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 17

आचार्य भिक्षु (कोई तेरह प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) साधुता के अनिवार्य अंग कौन-कौन से हैं?

(ख) थोकड़ा किसे कहते हैं?

(ग) आगम-टीकाकार अभयदेव सूरि के अनुसार भगवान महावीर की भाव परम्परा कब तक चली?

(घ) भगवान महावीर ने किस-किसकी संगति का निषेध किया है?

(ङ) केलवा चातुर्मास के अन्त में आचार्य भिक्षु के भक्त बनने वाले मुख्य व्यक्ति कौन-कौन थे?

(च) आध्यात्मिक क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रथम सोपान क्या है और इसे प्राप्त कैसे किया जाता है?

(छ) 'साधु का भोजन करना अव्रत है।' इस कथन का खंडन करते हुए आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(ज) आचार्य भिक्षु जिन भाषित धर्म को ध्येय मानकर आगे बढ़े उस समय आचार्य जयमल जी के टोले के कितने व कौन-कौन से साधु उनके सहयोगी बने?

(झ) पुण्य की वांछा करने से किसका बंध होता है?

(ञ) स्वामीजी ने गृहस्थावस्था का परित्याग करने के पश्चात आचार्य रूघनाथ जी के साथ और तेरापंथ के आचार्य के रूप में कितने-कितने चातुर्मास किए?

(ट) तेरापंथ धर्मसंघ लगभग कितने वर्षों तक त्रिविध धर्मसंघ रहा व चतुर्विध धर्मसंघ कब बना?

(ठ) 'कयरे मग्गे मक्खाया' इस शास्त्र वाणी का अर्थ क्या है?

(ड) आचार्य भिक्षु ने शिथिलाचारी साधुओं की शिथिलता को किन-किन उपमाओं से उपमित किया है?

(ढ) आचार्य भिक्षु के अनुसार 'धम्मो मंगल' किस हेतु सुनना चाहिए?

आचार्य श्री भारमल जी (कोई चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(ण) आगमानुसार साधु कितने कारणों से आहार परित्याग कर सकता है और मुनि भारमलजी ने कौन सा मार्ग चुना?

(त) आचार्य भारमल जी की 'चमत्कारी चादर' आज भी कितनी व कहाँ विद्यमान हैं?

(थ) आचार्य भारमल जी ने कितने पद्य प्रमाण ग्रन्थों की प्रतिलिपि की थी?

(द) आचार्य भारमल जी के शासनकाल में कितने साधु-साध्वी दीक्षित हुए?

(ध) जयपुर में भीखण जी का समझाया 'जोहरियो का बादशाह' किसे कहा जाता था?

प्र. 2 किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 15

आचार्य भिक्षु (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) श्रावक के सात आत्मा होती है या आठ? इस प्रश्न का स्वामीजी ने माधोपुर के श्रावकों को क्या उत्तर दिया?

(ख) आचार्य रूघनाथ जी ने कहा–'यह दुषम् काल है। इसमें पूरी साधुता नहीं निभ सकती।' आचार्य भिक्षु ने उनको कैसे निरूत्तर किया?

(ग) किसी व्यक्ति ने स्वामी से कहा–आप इतनी जोड़ क्यों करते हैं? आपकी ये जोड़े झगड़ा बढ़ाती है। तब स्वामी ने क्या कहा?

(घ) गृहस्थ अवस्था में भिक्षु स्वामी को गांव का महत्त्वशील व्यक्ति क्यों माना गया?

(ङ) घोड़े के पैर को भिक्षु स्वामी ने सोचकर व गिन कर बताने का क्या कारण बताया?

आचार्य भारमल जी (कोई दो प्रश्नों का उत्तर दें)

(घ) उदयपुर महाराणा ने आचार्य भारमलजी के पास दूसरा पत्र कब और कहां भेजा और आचार्य श्री ने महाराणा की प्रार्थना को कैसे पूरा किया?

(ङ) आचार्य भारमल जी के सागारी अनशन के विषय में संक्षेप में लिखें।

(च) गुजरीबाई ने आगम प्रतियों को यथावत देखकर आचार्य भारमल जी से क्या कहा?

आचार्य श्री भिक्षु

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) स्वामी जी ने व्यक्तिगत रूप से न किसी को शिथिलाचारी कहा और न किसी का खंडन किया, परन्तु सामूहिक रूप में प्रचलित आचार और विचार की कमियों पर उन्होंने भरपूर वार किया। स्पष्ट करें।

(ख) स्वामीजी के पद्य साहित्य का वर्णन करें।

(ग) राजनगर के श्रावक वर्ग ने श्री संघ से सम्बन्ध विच्छेद क्यों किया और वन्दन व्यवहार चालू करने में मुनि भीखण जी की क्या भूमिका रही, विवेचन करें।

प्र. 4 विभिन्न घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु के साधना-काल के प्रारम्भिक वर्ष अत्यन्त समस्या संकुल तथा कष्ट पूर्ण रहे। 15

अथवा

घटना प्रसंगों से स्पष्ट करें कि आचार्य भिक्षु छोटे से व्यंग्य इतना कुछ कह जाते कि अन्य कुछ कहने को स्थान ही नहीं रहता।

आचार्य श्री भारमल–21

प्र. 5 स्पष्ट करें कि आचार्य भारमल जी सामान्य मुनिकाल से लेकर आचार्यकाल तक परिपूर्ण लिपिकार रहे। 6

अथवा

किशनगढ़ में हुए शास्त्रार्थ का वर्णन करें।

प्र. 6 महाराणा द्वारा आचार्य भारमल जी का उदयपुर से निष्कासन, केशर जी भंडारी द्वारा भ्रान्तियों का निराकरण महाराणा की प्रार्थना का समग्र विवरण लिखें। 15

अथवा

भीखण जी बड़े चतुर थे। उन्होंने एक ही काम से तीन घरों को 'बघावणा' कर दिया। उक्त पंक्ति को स्पष्ट करते हुए सम्पूर्ण घटनाक्रम का विवेचन करें।

तेरापंथ प्रबोध–20

प्र. 7 कोई तीन पद्य की पूर्ति करें– 8

(क) सन्त-सत्यां.....निस्सार हो।

(ख) गुणसट्ठै.....दारमदार हो।

(ग) 'हे प्रभो! यह तेरापंथ' गीत वाला पद्य।

(घ) 'सबकी आंख्या च्यार हुई' लोकोक्ति वाला पद्य।

(ङ) 'एकानी नदी और एकानी न्हार' वाला पद्य।

प्र. 8 कोई तीन पद्य अर्थ सहित लिखें– 12

(क) 'स्वामी जी की उत्पत्तियां बुद्धि' वाला पद्य।

(ख) 'स्वामी जी द्वारा सत्पथ की स्वीकृति' वाला पद्य।

(ग) 'बगड़ी स्यूं बड़लू में चर्चा' वाला पद्य।

(घ) स्वामी जी द्वारा 'सार्वभौम सिद्धान्त घोषणा' वाला पद्य।

(ङ) 'वन्दना लो झेलो, भक्तां री भगवान' गीत वाला पद्य।